



NaMo 25 · #25YearsofSeva

अन्नदाता — बीज से बाज़ार तक

पड़ाव — तिथिवार

7 अक्टूबर 2001 → 7 अक्टूबर 2026 · 25 साल, ज़ीरो ब्रेक · 25YearsofSeva.com · संस्करण 88 · 7 अक्टूबर 2026
हर आँकड़ा तिथि सहित — पूरा रिकॉर्ड वेबसाइट पर।

**2003-04 → 2015****मृदा स्वास्थ्य कार्ड**

2003-04 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू की गई योजना 19 फरवरी 2015 को राष्ट्रीय योजना बनी, जिससे हर खेत की मिट्टी की रिपोर्ट किसान के हाथ में पहुँची।

18 फरवरी 2016**पीएम फसल बीमा**

13 जनवरी को मंजूर और 18 फरवरी को शुरू — कम प्रीमियम पर फसल की सुरक्षा मिली, ताकि प्राकृतिक आपदा में किसान अकेला न रहे।

14 अप्रैल 2016**ई-नाम**

राष्ट्रीय कृषि बाज़ार से मंडियाँ ऑनलाइन जुड़ीं; मार्च 2026 तक 1.8 करोड़ से अधिक किसान और 1,656 मंडियाँ इससे जुड़ चुकी हैं।

2018**लागत का डेढ़ गुना एमएसपी**

बजट 2018-19 से समर्थन मूल्य (MSP) उत्पादन लागत के कम से कम डेढ़ गुने पर तय होता है।

24 फरवरी 2019**पीएम-किसान**

हर वर्ष ₹6,000 सीधे खाते में पहुँचते हैं; 23 किस्तों में अब तक ₹4.46 लाख करोड़ से अधिक किसानों तक पहुँचे।

2019**पीएम-कुसुम**

खेत पर सौर पंप और सौर ऊर्जा से किसान बिजली का उत्पादक भी बना।

2020**10,000 किसान उत्पादक संगठन**

छोटे किसानों को बाज़ार की सामूहिक ताकत देने के लिए 10,000 किसान उत्पादक संगठन बनाने का लक्ष्य फरवरी 2026 में पूरा हुआ।

2023**श्री अन्न — अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष**

भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मोटे अनाज का वर्ष घोषित किया।

नवम्बर 2024**राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन**

रसायन-मुक्त खेती के लिए राष्ट्रीय मिशन शुरू हुआ; सिक्किम देश का पहला शत-प्रतिशत जैविक राज्य है।